मंगलवार
04 जून 2024

पृष्ठ 4
हद से ज्यादा आम खाना सेहत के...

पृष्ठ 5
देसी अवतार में मोनालिसा ने...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 123
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

चरित्रहीन शिक्षा, मानवता विहीन विज्ञान और नैतिकता विहीन व्यापार खतरनाक होते हैं।
– सत्यसाई बाबा

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

अबकी बार किसकी सरकार ? शाम तक संशय

❑इंडिया गठबंधन ने ढहा दिया भाजपा का उत्तर प्रदेश किला

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली। सुबह से हो गई शाम फिर भी स्थिति नहीं हो सकी साफ की अबकी बार किसकी सरकार? भाजपा 236 और कांग्रेस 100 के पार एनडीए 290 और इंडिया गठबंधन जो 234 के आसपास। अपने दम पर कोई भी दल सरकार बनाने की स्थिति में नहीं। अभी 3 बजे तक आधे से अधिक मतों की गणना बाकी। रुझानों से एनडीए में मचा हड़कंप। भाजपा को इन रुझानों से 65 सीटों का नुकसान होता दिख रहा है। अब भाजपा को सत्ता में अगर बने रहना

❑उत्तराखंड में भाजपा की हैट्रिक, राजस्थान में कांग्रेस ने 11 सीटें छीनी

है तो अपने गठबंधन के सहयोगी दलों को हर हाल में साथ रखने की चुनौती खड़ी हो गई है वही अभी 35 से 40 सीटों पर जीत हार का अंतर 5 से 10 हजार के बीच है यह सीटें अगर इधर से उधर खिसकती है तो सत्ता के समीकरण बदलते देर नहीं लगेगी।

कहते हैं दिल्ली दरबार का रास्ता उत्तर प्रदेश के रास्ते दिल्ली तक जाता है लेकिन इंडिया गठबंधन ने भाजपा के इस किले को ढहा दिया है। उत्तर प्रदेश में 80 में से 80 सीटें जीतने का दावा करने वाली भाजपा आधा रास्ता भी तय नहीं कर पाई। वही राजस्थान और महाराष्ट्र में भी भाजपा को लगा जोर का झटका। हालांकि भाजपा ने उम्मीद के अनुरूप उत्तराखंड, हिमाचल, दिल्ली और मध्य प्रदेश में क्लीन स्वीप करते हुए उत्तराखंड सहित सभी राज्यों की सभी सीटों पर बढ़त बना ली थी लेकिन इस बार इंडिया गठबंधन ने यूपी, राजस्थान और महाराष्ट्र में इतना जोरदार झटका दिया कि उसके 400 पार के नारे को शगुफा साबित कर दिया। उत्तर प्रदेश की 80 में से 80 सीटें जीतने का दावा करने वाली भाजपा महज 32 सीटों पर बढ़त बनाए रखे हुए हैं जबकि इंडिया गठबंधन 42 सीटों पर बढ़त के साथ आगे बढ़ती दिखाई दे रही है। भले ही भाजपा ने मोदी और शाह के गृह राज्य में धमाकेदार प्रदर्शन करते हुए 24 सीटों पर बढ़त बना रखी है लेकिन पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की टीएमसी ने विधानसभा चुनाव के बाद लोकसभा चुनाव में 40 में से 31 सीटों पर बढ़त बनाकर यह फिर साबित कर दिया है कि उन्हें हिलाने की ताकत भाजपा के पास नहीं है। इंडिया गठबंधन को भले ही मध्य प्रदेश में सफलता न मिली हो लेकिन राजस्थान जहां 2019 में भाजपा ने सभी ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

सभी पांचों सीटों पर जीती भाजपा लेकिन जीत का अंतर घटा

विशेष संवाददाता

देहरादून। भले ही 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को पिछले दो चुनाव में से सबसे कम सीटें मिलती दिख रही हो लेकिन तीसरी बार लगातार उत्तराखंड की सभी पांचो सीटों पर जीत दर्ज कर जीत की हैट्रिक के साथ उसने इतिहास रच दिया है। लेकिन इस बार उसकी जीत का मतान्तर पहले की तुलना में काफी कम रहा है।

उत्तराखंड में भाजपा ने एक बार फिर सभी पांचो सीटें जीत कर नया इतिहास लिख दिया है। 2019 के चुनाव में उसने सभी पांच सीटों पर दूसरी बार भी अपना कब्जा बरकरार रखा

❑भाजपा ने जीत की हैट्रिक लगाकर रचा इतिहास

था, जो एक इतिहास था। इससे पहला राज्य गठन से लेकर 2019 तक कोई भी दल दो बार सभी सीटें नहीं जीत सका था। भाजपा और कांग्रेस बारी-बारी से जीतते रहे थे। लेकिन तीसरी बार भी भाजपा सभी पांच सीटें जीत पाएगी इसकी संभावना बहुत कम थी जो एग्जिट पोल के नतीजे आए थे उनमें भी कांग्रेस को एक या दो सीटें जीतने की संभावना जताई गयी थी। लेकिन कांग्रेस के हिस्से में फिर सभी सीटों पर हार ही आई है।

खास बात यह है कि इस बार भाजपा ने सभी पांच सीटें जीती जरूर है लेकिन उसकी जीत का मार्जिन सभी सीटों पर घटा है 2019 में भाजपा को अल्मोड़ा सीट पर 2,32,936 ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

पांचों लोकसभा सीटें जीतने पर जोशी ने दी मुख्यमंत्री व भट्ट को बधाई

देहरादून (सं)। उत्तराखण्ड की पांचों लोकसभा सीटें जीतने पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भटट व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई दी। आज यहां लोकसभा चुनाव के नतीजे सामने आने के बाद उत्तराखण्ड की पांचों सीटे भारतीय जनता पार्टी के द्वारा जीतने पर कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी प्रदेश कार्यालय पहुंचे। जहां पर उन्होंने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व प्रदेश अध्यक्ष महेन्द्र भट्ट को पुष्पगुंच्छ भेंट कर बधाई दी।

खाई में गिरी बाइक, दो की मौत

हमारे संवाददाता

रूद्रप्रयाग। सड़क दुर्घटना में आज सुबह एक बाइक के खाई में गिर जाने से दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व एसडीआरएफ टीम ने मौके पर पहुंच कर रेस्क्यू अभियान चलाया और दोनों के शव बरामद कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार आज सुबह कोतवाली सोनप्रयाग पुलिस द्वारा एसडीआरएफ टीम को सूचित किया गया कि गुप्तकाशी क्षेत्र के पास एक मोटरसाईकल खाई में दुर्घटनाग्रस्त हो गई है, जिसमें रेस्क्यू हेतु एसडीआरएफ टीम की आवश्यकता है। सूचना पर

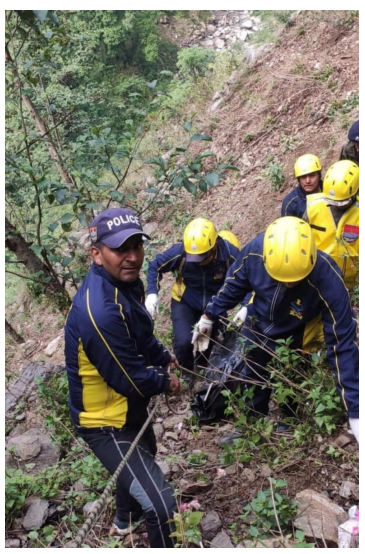

कार्यवाही करते हुए एसडीआरएफ टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। इस दौरान जानकारी मिली कि बाइक सवार दो लोग खाई में गिरे है जिनकी घटनास्थल पर ही मृत्यु हो चुकी थी। एसडीआरएफ टीम द्वारा घटनास्थल पर पहुंचकर त्वरित कार्यवाही करते हुए रोप की सहायता से खाई में उतरकर कड़ी मशक्कत करते हुए दोनों मृतकों के शवों को स्ट्रेचर बोर्ड के माध्यम से पैदल मार्ग से होते हुए मुख्य मार्ग तक लाकर जिला पुलिस के सुपुर्द किया गया। मृतकों के नाम जयदीप सिंह रावत पुत्र सुरेंद्र सिंह रावत व रोहित रातव पुत्र स्व. राम सिंह रावत निवासी श्रीकोट पौड़ी बताये जा रहे है। बहरहाल पुलिस ने दोनो शवों को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

दून वैली मेल

संपादकीय

लोकतंत्र की जीत का सवाल

वर्तमान लोकसभा चुनाव का जिसके बारे में यह कहा जाता रहा है कि यह चुनाव राजनीतिक दलों के बीच लड़ा जाने वाला चुनाव नहीं है यह चुनाव सत्ता और जनता के बीच होने वाला चुनाव है मतगणना वाले दिन तक पहुंचते पहुंचते ऐसी स्थिति में पहुंच जाएगा कि जहां एक तरफ पक्ष और विपक्ष दोनों ही खेमे जीत के जश्न की तैयारियों में जुटे होंगे तथा चुनाव आयोग मतगणना से एक दिन पूर्व अपनी कमियों पर उठाये जा रहे सवालों का जवाब देने को घंटो लंबी पत्रकार वार्ता कर इस बात की आशंका जता रहा होगा कि चुनाव परिणाम के बाद देश में वायलेंस (बलवों) की स्थिति बन सकती है। देश के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार हो रहा है कि मतदान निपटने के बाद भी यूपी, पश्चिम बंगाल, मणिपुर, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश सहित तमाम राज्यों से पैरामिलिट्री फोर्स को वापस नहीं बुलाया गया जिससे किसी भी राज्य में अगर कानून व्यवस्था बिगड़ने जैसे हालात पैदा होते हैं तो राज्य सरकार इन सुरक्षा बलों का इस्तेमाल कर सके। सवाल यह है कि यह हालत उस देश में जहां के लोकतंत्र को विश्व का सबसे पुराना और मजबूत लोकतंत्र बताया जाता हो वहीं चुनाव आयोग से लेकर मीडिया तक जिसे लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता हो सभी कुछ संदेह के घेरे में आ गया है। यह बेवजह नहीं हुआ है और न एक दिन में ऐसे हालात पैदा हुए हैं। मतगणना से पूर्व सभी राजनीतिक दलों द्वारा अपने कार्यकर्ताओं व नेताओं को अंतिम वोट की गिनती तक मतगणना केंद्रो व पार्टी के मुख्यालय और सड़कों पर रहने के निर्देश दिए जा चुके हैं। किसी भी स्तर पर होने वाली गड़बड़ी को बर्दाश्त न करने की चेतावनी कई पार्टियों के अध्यक्षों द्वारा इस अंदाज में दी गई है कि वह लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता के साथ किसी भी हद तक जा सकते हैं। अधिकारियों तक को उन्होंने कह दिया है कि वह इस बात को समझ ले कि जनता से बड़ा कोई नहीं है। 1 जून को आए एग्जिट पोल के बाद मीडिया जिस तरह से सत्ता के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है उसकी विश्वसनीयता भी अब दांव पर लगी हुई है। देश में ऐसा पहली बार हुआ है कि जब मीडिया ने अपने एग्जिट पोल में 100 फीसदी सत्ता के पक्ष में आंकड़े पेश किए हैं। जबकि जमीनी हकीकत 2014 या 2019 वाली नहीं है। सरकार ने 400 पार का नारा दिया तो एग्जिट पोल ने भी 400 पार कर दिया। चुनाव आयोग ने चार दिन में मतदान प्रतिशत बताने की बात कहीं जरूर है लेकिन उसने 11 दिन में मतदान प्रतिशत क्यों बताया नहीं या फिर दूसरे तीसरे चरण में चार दिन और 2 दिन में ही मतदान कैसे बता दिया अंतिम चरण का मतदान 1 जून को हुआ और मतदान प्रतिशत 5 जून को यानि कल चुनाव परिणाम आने के बाद पता चलेगा ऐसे में चुनाव आयोग की भूमिका पर संदेह क्यों नहीं किया जाना चाहिए। सच बात यह है कि यहां दाल में काला नहीं है अपितु पूरी दाल ही काली है। जिसके कारण ऐसे हालात पैदा हुए हैं कि चुनाव कोई भी हारे या जीते और सरकार किसी की भी बने विश्वसनीयता सभी की समाप्त हो चुकी है। लोकतंत्र तभी तक सुरक्षित रह सकता है जब तक जनता की जीत होती है। सत्ता या प्रशासन और स्वात्तधारी संस्थाएं अगर लोकतंत्र को अपनी सहूलियत के हिसाब से मैनेज करने लगे तो उसे आप लोकतंत्र नहीं कहते है। आज देश के लोकतंत्र के सामने यही सबसे बड़ा सवाल है।

आप्रेशन मुस्कानः बिछड़े हुए श्रद्धालुओं को परिजनों से मिलवाया

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। पुलिस ने केदारनाथ धाम यात्रा पर आये श्रद्धालुओ के अपने परिजनों से बिछने पर उनको उनके परिजनों से मिलवाया।

आज यहां जनपद रुद्रप्रयाग पुलिस ने इस वर्ष की श्री केदारनाथ धाम यात्रा के दौरान आ रहे श्रद्धालुओं की सुगम सरल व सुरक्षित यात्रा करने के साथ ही उनकी मदद करने हेतु 'ऑपरेशन मुस्कान' चलाया हुआ है। इसके तहत श्री केदारनाथ आने वाले श्रद्धालुओं की पुलिस के स्तर से हर सम्भव मदद की जा रही है। जनपद में स्थापित किये गये सभी खोया पाया केन्द्र पर नियुक्त कार्मिकों द्वारा बिछड़े हुए यात्रियों के सम्बन्ध में अनाउंसमेंट किया जा रहा है, साथ ही आपसी समन्वय से बिछड़ चुके यात्रियों को मिलवाने का कार्य किया जा रहा है तथा खोई हुई सामग्री को ढूंढकर यात्रियों को वापस कराया जा रहा है। केदारनाथ धाम पहुंची श्रीमती कंचन बेन पत्नी वल्लभ भाई निवासी सूरत गुजरात जो कि अपने परिजनों से वापस आते समय बिछड़ गयी थी। यह सूचना यात्रा मार्ग की चौकियों सहित कोतवाली सोनप्रयाग को प्राप्त होने पर उपनिरीक्षक वन्दना अग्रवाल ने इनको उनके परिजनों से मिलवाया गया। मुरादाबाद (यूपी) से श्री केदारनाथ धाम आयी श्रद्धालु कमला देवी और सुषमा गुप्ता जो कि आये तो एक साथ थे लेकिन किन्हीं कारणों से बिछड़ गये और इनमे से सुषमा गुप्ता जी ने मन्दिर परिसर ड्यूटी में तैनात मुख्य आरक्षी संजय कैन्तुरा से मदद ली गयी। मुख्य आरक्षी ने खोया-पाया केन्द्र से अनाउंसमेट करवाकर इन दोनो श्रद्धालुओं को मिलवाया गया। राजस्थान से आये श्रद्धालु जिनका मोबाइल केदारनाथ धाम हैलीपैड के पास खो गया था, इनके द्वारा इसकी सूचना हैलीपैड ड्यूटी में नियुक्त आरक्षी मुकेश व आरक्षी राकेश गौड़ (आईआरबी द्वितीय) को दी गयी। इन दोनों आरक्षियों ने अथक प्रयास से इस खोये हुए मोबाइल फोन को ढूंढकर श्रद्धालु को वापस किया गया। जनपद रुद्रप्रयाग पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत श्री केदारनाथ धाम यात्रा प्रारम्भ होने की तिथि से आज तक 35 बिछड़े हुए मिलाये हैं, 34 खोये हुए मोबाइल फोन वापस दिलाए तथा 40 पर्स या बैग व खोये हुए कीमती सामान को वापस दिलाये गये हैं।

परिजनों से बिछड़े बच्चों को माता पिता से मिलवाया

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। यात्रा में आये परिवार के बच्चों के खो जाने पर पुलिस ने बच्चों को तलाश माता पिता के हवाले किया।

आज यहां योगेश आत्रेय पुत्र कैलाश आत्रेय निवासी डिफेंस कॉलोनी बीकानेर, राजस्थान अपनी पत्नी के साथ चौकी भीमबली पर आए और बताया कि वह अपने परिवार के साथ केदारनाथ धाम के दर्शन कर वापस आ रहे थे परन्तु रास्ते में उनका पुत्र भावेश आत्रेय (उम्र 9 वर्ष) व भांजा जय शर्मा उर्फ कांजी पुत्र अरुण शर्मा (उम्र 10 वर्ष) दोनो बिछड़ गए हैं। उनकी तरफ से भी काफी देर तक बच्चों को ढूंढने का प्रयास किया गया है परन्तु इनका बच्चों का पता नहीं चल पा रहा है। चौकी प्रभारी भीमबली यशपाल सिंह ने बच्चों के परिजनों से उनका हुलिया व फोटोग्राफ्स लेकर यात्रा पड़ावों की अन्य चौकियों सहित चौकी भीमबली पुलिस बल के कार्मिकों को दिया गया। चौकी प्रभारी भीमबली अधीनस्थ पुलिस बल सहित स्वयं इन बच्चों की तलाश हेतु यात्रा मार्ग पर गये व इस क्षेत्र में आने-जाने वाले यात्रियों व दुकानदारो को दोनो बच्चो की फोटो दिखाकर तलाश अभियान चलाया गया। काफी प्रयासों के उपरान्त चौकी प्रभारी भीमबली यशपाल सिंह व मुख्य आरक्षी चन्द्रशेखर टाकुली को रामबाड़ा बाइपास के पास ये दोनो बच्चे दिखाई दिये, जो कि अपने परिजनों से बिछड़ने के कारण काफी घबराये हुए थे। इन बच्चों को चौकी लाकर इनके परिजनों के सुपुर्द किया। श्रद्धालु योगेश आत्रेय व उनकी पत्नी ने बच्चो को सकुशल पाते हुए उत्तराखण्ड पुलिस का आभार प्रकट किया गया। जनपद रुद्रप्रयाग पुलिस का 'ऑपरेशन मुस्कान' यात्रा मार्ग पर बिछड़े हुए श्रद्धालुओं को मिलाने का कार्य कर रहा है।

गर्मी को देखते हुए सफाई कर्मचारियों से 10 बजे तक काम लिया जायेःयूनियन

संवाददाता

देहरादून। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन ने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि सफाई कर्मचारियों से सुबह पांच बजे से दस बजे तक काम लिया जाये। आज यहां राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन के पदाधिकारी सचिवालय स्थित मुख्य सचिव श्रीमती राधा रतूडी से उनके कार्यालय में मिले जहां पर उन्होंने मुख्य सचिव को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने कहा कि प्रदेश में बढती गर्मी को देखते हुए निकायों में कार्यरत सफाई/पर्यावरण मित्रों के कार्य को एक पारी में करने हेतु प्रातः पांच बजे से दस बजे तक कराने के आदेश जारी किये जायें। ज्ञापन देने वालों में नरेश वैध, सोने खैरवाल, महिपाल सिंह लोहट, पप्पू मेजर सिंह चौहान आदि मौजूद थे।

सरस्वतीं यां पितरो हवन्ते दक्षिणा यज्ञमभिनक्षमाणाः।
सहस्रार्घमिळो अत्र भागं रायस्पोषं यजमानेषु धेहि।।
(ऋग्वेद १०-१७-९)

सरस्वती जिसको विद्वतजन मन और आत्मा से हवि देते हैं। जिसकी सत्य भावना से सेवा करते हैं। हम भी ऐसा करने का प्रयास करते हैं। हम सरस्वती से प्रार्थना करते हैं कि हम यजमानों को भी हमारे हिस्से का सम्मान, ज्ञान, और धन प्रदान करें।

हर्षोल्लास से मनाया गुरुकुल महाविद्यालय का वार्षिक उत्सव

संवाददाता

देहरादून। द्रोणस्थली आर्ष कन्या गुरूकुल विद्यालय का वार्षिक उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

आज यहां द्रोणस्थली आर्ष कन्या गुरुकुल महाविद्यालय (मानव कल्याण केंद्र) देहरादून उत्तराखंड का वार्षिक उत्सव तीन एवं चार जून 2024 को बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाय गया। स्वर्गीय डॉक्टर वेद प्रकाश एवं कंचन गुप्ता द्वारा स्थापित गुरुकुल द्रोणस्थली आर्ष कन्या गुरुकुल स्वर वेद पाठ एवं शौर्य प्रदर्शन कर आगंतुकों समाज के समक्ष प्रस्तुति दी। सभी ने गुरुकुल में हुए बालिकाओं के निर्माण की भूरि भूरि प्रशंसा की और इस कार्यक्रम में स्वामी योगेश्वरानंद सरस्वती ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुए जनता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यदि समाज का निर्माण करना है तो हमें बच्चों को सही दिशा देनी होगी। आचार्य अन्नपूर्णा ने कहा की गुरुकुल में जिन बेटियों का निर्माण हो रहा है यही बेटियां आगे चलकर देश की उन्नति में मिल का पत्थर साबित होगी। डॉ महावीर अग्रवाल उप कुलपति पतंजलि हरिद्वार ने कहा की गुरुकुल ही एक ऐसा स्थान है जहां पर बेटियों का सर्वांगीण विकास हो सकता है। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि यदि समाज को बचाना है तो संपूर्ण देशभर में कन्या एवं बालकों के गुरुकुलों को पुनः स्थापित करना होगा। इस अवसर पर गुरुकुल की प्रबंधक श्रीमती सिम्मी गुप्ता ने समस्त आर्य जनों को साधुवाद दिया, इस मौके पर आचार्य धनंजय, प्रेम प्रकाश शर्मा, श्रीमती दीपशिखा, मीनाक्षी, श्रद्धा उपस्थित हुए।

लू से जिंदगी की जंग हार जाते हैं डेढ़ लाख से अधिक लोग

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

बात भले ही अजीब लगे पर यह सच्चाई है कि लू के थपेड़ों से डेढ़ लाख से अधिक लोग जिंदगी की जंग हार जाते हैं। वैसे तो दुनिया के सभी देश इससे प्रभावित हो रहे हैं, पर भारत, रुस और चीन इससे सर्वाधिक प्रभावित हैं। प्रकृति का अत्याधिक और अंधाधुंध दोहन का परिणाम सामने आने लगे हैं। ऐसा नहीं है कि धरती के बढ़ते तापमान से दुनिया के देश चिंतित ना हो या इससे बेखबर हो पर इसे संतुलित करने के प्रयासों में जो लक्ष्य हासिल किया जाना था वह अभी दूर की कोड़ी ही सिद्ध हो रहा है। हालात बेहद चिंतनीय और गंभीर है। भारत के साथ-साथ ही दुनिया के देश अब जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणामों से दो चार होने लगे हैं। बेमौसम बरसात, तेज गर्मी, तेज सर्दी, आए दिन तूफानों का सिलसिला, भू-स्खलन, सुनामी, ग्लेसियरों से बर्फ का तेजी से पिघलना, भूकंपन, जंगलों में आए दिन दावानल और ना जाने क्या-क्या दुष्परिणाम सामने आते जा रहे हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि मौसम के समय व अवधि में भी तेजी से बदलाव होता जा रहा है। कब बरसात आ जाएं तो कब तेज गर्मी और कब सर्दी के तेवर तेज या कम हो जाते हैं यह पता ही नहीं चल रहा है। सबसे चिंतनीय बात यह है कि हीटवेव की चपेट में आने से लोगों की मौतों में तेजी से इजाफा होने लगा है। देखा जाए तो यह हीटवेव मौत का कारण बनने लगी है।

हीटवेव और उसकी अवधि अब संकट का नया कारण बनती जा रही है। आस्ट्रेलिया के मोनाश विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में सामने आया है कि भारत के साथ ही चीन और रुस में हीटवेव के कारण सर्वाधिक मौत हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देशों में केवल लू के थपेड़ों की लपेट में आने से एक लाख 54 हजार से अधिक व्यक्ति अपनी जान गंवा देते हैं। प्रति दस लाख में से 236 व्यक्तियों की मौत हीटवेव के कारण हो रही है। रिपोर्ट की माने तो इनमें से हर पांचवां जान गंवाने वाला व्यक्ति भारतीय है। यह अपने आप में चिंतनीय और गंभीर है। यह अध्ययन भी 43 देशों के 750 स्थानों के तापमान के अध्ययन के आधार पर है। अध्ययन कर्ताओं के अनुसार पिछले 30 सालों में हीटवेव के कारण मौत के आंकड़ें में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। भारतीय मौसम विभाग की माने तो पूर्वी भारत में 1901 के बाद सर्वाधिक गर्मी इस साल अप्रेल में रेकार्ड की गई है। प.बंगाल में 2015 के बाद अप्रेल में सर्वाधिक लू के थपेड़ों को झेलना पड़ा है। इस तरह के कमोबेस हालात दुनिया के अधिकांश देशों में देखे जा सकते हैं। हालात तो यहां तक होते जा रहे हैं कि समुद्र का जल स्तर बढ़ता जा रहा है और उसके परिणामस्वरुप समुद्र के किनारे बसे शहरों का अस्तित्व तक संकट में आने लगा है। दरअसल यह सारी समस्या मानव जनित समस्या है। अधांधुंध शहरीकरण, पेड-पौधों के जंगलों के जगह लोह कंक्रीट के खड़े होते जंगल, जनसंख्या में अप्रत्याशित बढ़ोतरी और कार्बन उत्सर्जन में लगाम लगाने में विफलता के परिणाम सामने आते जा रहे हैं। जैविक विविधता प्रभावित होती जा रही है। आधुनिकीकरण के नाम पर नित नए प्रयोग होने लगे हैं। जलवायु को प्रभावित करने वाले उत्पादों का उपयोग बेतहासा बढ़ा है। दुर्भाग्यजनक हालात यह है कि जिस उत्पाद को हम आज उपादेय बता रहे हैं एक समय बाद वहीं उत्पाद से होने वाले नुकसान गिनाने लगते हैं। दूसरी और वातावरण की नमी को समाप्त कर तापमान बढ़ाने में इन उत्पादों की खास भूमिका हो रही है। इन सबके साथ ही इंसानी गतिविधियों में बदलाव होने के साथ ही दखल बड़ा है। एक समय था जब बड़े जोर-शोर के साथ पोलिथीन को उतारा गया और आज दुनिया के देश पालिथीन से मुक्ति चाहने लगे है। इसका कारण भी साफ है लोगों को पोलिथीन से होने वाले नुकसान का पता चलने लगा है। आज एसी, फ्रीज, ओवन आदि की घर-घर उपलब्धता आसान हो गई है। अब एसी, फ्रीज या इस तरह के अन्य उत्पाद किस तरह से वातावरण को गर्म कर रहे हैं यह किसी से छुपा नहीं है। एक समय थर्मल पॉवर के प्लांट आवश्यकता थी पर आज कोयले की धुंआ के कारण किस तरह से वातावरण दुषित हो रहा है यह समझने लगे हैं। घर में जलने वाले बल्व की बात करें तो सामान्य बल्व से सीफ एल और उसके बाद एलईडी और सोलर का युग आ गया। सवाल कई बार तो ऐसे लगता है जैसे कि मार्केट फोर्सेज भी बहुत कुछ प्रभावित करती है। आज आरओ का सेचुरेशन आ गया तो इसका उपयोग हानिकारक बताया जाने लगा हैं उसी तरह से जापान में ओवन को स्वास्थ्य के लिए हानिकारक बताया जाने लगा है। ईंधन के जितने भी साधन है वे सभी वातावरण को दूषित करने में आगे हैं। इसी तरह से सुविधाजनक इलक्ट्रोनिक उत्पाद वातावरण को बिगाड़ने में कोई कमी नहीं छोड़ रहे। देखा जाए तो प्रकृति के साथ खिलवाड करने का नजीजा सामने आने लगा है। वातावरण दूषित होने के साथ ही कभी सावन बिन बरसात रह जाता है तो कभी अप्रेल मई में भी बरसात के कारण सर्दी से दो चार होना पड़ जाता है। समय आ गया है जब इस समस्या के निराकरण के लिए विशेषज्ञों को खासतौर से ध्यान देना होगा नहीं तो हालात दिन प्रतिदिन बद से बदतर होते जाएंगे। इसे भले ही चेतावनी समझा जाएं या कुछ और पर सब कुछ शीशे की तरह साफ है। अब समय आ गया है कि धरती के बढ़ते तापमान के स्तर को कम करने के उपायों पर गंभीरता से प्रयास किए जाएं। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

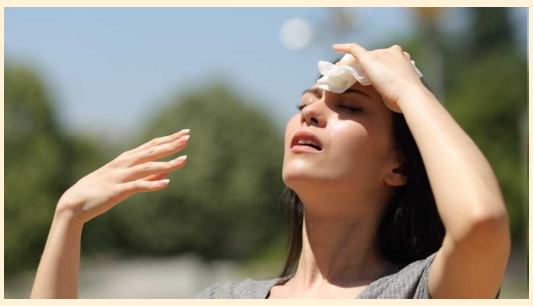

मां मधु कैटप मर्दनी मंदिर को दिव्य व भव्य स्वरुप दिया जाये: विक्रम सिह

संवाददाता

रजाखेत। प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने मां मधु कैटप मर्दन मां भगवती के दर्शन कर मन्दिर को दिव्य व भव्य स्वरूप दिये जाने पर जोर दिया।

आज यहां परियो के देश खैट पर्वत पर माँ मधु केटप मर्दनी के मंदिर प्रांगड़ में मंदिर समिति के अध्यक्ष प्रेम दत्त नौटियाल (कॉमिड) मंदिर समिति द्वारा श्रीमद भागवत व शिव महापुराण कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य आयोजन किया जा रहा है। कथा वाचक आचार्य पंडित मायाराम पैन्यूली, आचार्य दिनेश गौड़ शास्त्री के श्रीमुख से कथा सुनाई जा रही है। कथा में प्रतापनगर विधायक विक्रम सिंह नेगी ने माँ मधु केटप मर्दनी माँ भगवती के दर्शन किये और कथा श्रवण की। उन्होंने मंदिर समिति का आभार व्यक्त किया और इस भव्य आयोजन की बधाई दी।

उन्होंने कहा कि खैट पर्वत पर स्थित माँ मधु कैटप मर्दनी धार्मिक सांस्कृतिक आध्यत्मिक पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है जिसे बढ़ावा दिया जाना चाहिए और इसके दिव्य व भव्य स्वरूप के दर्शन हो सके। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र तीर्थाटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है और इसे आध्यात्म केंद्र के रूप में देखा जाना चाहिए और इसे तीर्थाटन के रूप में विकसित किया जायेगा। मंदिर में साध ना कर रही साध्वी दिव्यांसी ने विधायक विक्रम सिह नेगी को अपना आशीष दिया।

उन्होंने कहा कि मंदिर प्रांगण में शीघ्र ही टिन शेड की व्यवस्था की जाएगी जिससे मंदिर सुशोभित एवं वर्षा से भक्तजनों की रक्षा हो सके। मंदिर में मुलभूत सुविधाओं का विकास किया जायेगा। सड़क पानी बिजली की समुचित व्यवस्था की जायेगी। मंदिर मार्ग में खडंजा निर्माण किया जायेगा और धर्मशाला का भी निर्माण किया जायेगा। उन्होने मंदिर प्रांगड मे सोल्रर लाइट की समुचित व्यवस्था की जिससे मंदिर प्रांगड रोशनी से जगमगा गया। इस अवसर पर महेश जोशी श्रीनगर बिड़ला संगठक महाविद्यालय छात्र संघ अध्यक्ष आशीष पंवार व प्रोफेसर इंद्रमणि सेमवाल, सबल सिंह रावत भी मौजूद थे।

सरकार की सद्बुद्धि के लिए किया हवन यज्ञ

संवाददाता

देहरादून। खालांगा में सरकार द्वारा 2000 पेड काटने के आदेश के बाद नेपाली सभा व अखिल भारतीय ब्राहमण महासभा द्वारा सरकार की सद्बुद्धि के लिए हवन यज्ञ किया गया।

आज यहां खालांगा में सरकार द्वारा पेड़ काटने के विरोध में सरकार की सद्बुद्धि के लिए नेपाली सभा और अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा द्वारा हवन यज्ञ किया गया। मन मोहन शर्मा ने जानकारी दी कि खालांगा में 2000 पेड़ काटने के लिए सरकार ने चलाई है उसके विरोध में और सतबुद्धि के लिए हवन यज्ञ ब्राह्मणों द्वारा किया गया साथ ही उन्होंने कहा कि अगर सरकार अपनी हठ धर्मिता को नहीं छोड़ेगी तो ब्राह्मण और समाज के सभी संगठन एकत्र होकर सरकार पर हल्ला बोल कर प्रदर्शन करेंगे। इस अवसर पर मनमोहन शर्मा अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा, संरक्षक संरक्षक पंडित शशि कुमार शर्मा, महासचिव पंडित उमाशंकर शर्मा, तीर्थ पुरोहित उपाध्यक्ष अवनीश कांत शर्मा, प्रतिमा शर्मा, पंडित ग्रीस उप्रेती, पंडित राम प्रसाद उपाध्याय अध्यक्ष, पण्डित थानेश्वर उपाध्यक्ष, पुरुषोत्तम गौतम महासचिव, अर्जुन प्रसाद पॉन्डले कोषाध्यक्ष, गोविंद प्रसाद पांडले प्रवक्ता, वासुदेव पंत संगठन सचिव, टंक प्रसाद पॉन्डले प्रचार मंत्री, हेमंत माती, हरिहर गौतम ,बसंत राज, जगदीश खन्ना सांस्कृतिक प्रभारी आदि मौजूद रहे।

फर्जी दस्तावेजों से प्राचार्य पद पर नियुक्ति पाने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। पर्यटन निदेशालय में फर्जी दस्तावेज पेश कर प्राचार्य पद पर नियुक्ति पाने वाले पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी कर्नल अश्विनी पुण्डीर ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि पर्यटन विभाग के अधीन नई टिहरी में स्टेट इस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनजमेंट कैटरिंग टेक्नोलॉजी एवं एप्लाईड न्यूट्रीशन की स्थापना की गयी थी।

उक्त संस्थान में यशपाल सिंह नेगी की एसोसियेट प्रोफेसर के पद पर वर्ष 2015 में सविदा पर नियुक्त किया गया था तथा वर्ष 2016 में निदेशक/प्राचार्य, स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनजमेंट, कैटरिंग टैक्नोलॉजी एवं एप्लाईड न्यूट्रीशन नई टिहरी में संविदा के माध्यम से तैनात किये गये थे। यशपाल सिंह नेगी, निदेशक/प्राचार्य के विरुद्ध संस्थान के शैक्षणिक स्टाफ द्वारा संयुक्त रूप से की गई शिकायती प्रकरण पर विभागीय जांच दल द्वारा 06 मई 2024 को यशपाल सिह नेगी (संविदा) निदेशक/प्राचार्य, स्टेट इस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनजमेंट, कैटरिंग टेक्नोलॉजी एवं एप्लाईड न्यूट्रीशन नई टिहरी में उपस्थित होकर जांच की कार्यवाही करते हुये शिकायतकर्ताओं से उनके लिखित बयान, साक्ष्य अभिलेखो की गहनता से अध्ययन/परीक्षणोपरान्त यशपाल सिंह नेगी, निदेशक/प्राचार्य (संविदा), स्टेट इस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनजमेंट, कैटरिंग टैक्नोलॉजी एवं एप्लाईड न्यूट्रीशन नई टिहरी के विरूद्ध जांच आख्या के अनुसार यशपाल सिंह नेगी, 08 सितम्बर 2015 से 26 अक्टूबर 2016 तक एसोसिएट प्रोफेसर तथा 16 जनवरी 2016 से 26 अक्टूबर 2016 तक प्रभारी निदेशक/प्राचार्य रहे तदोपरान्त 27 अक्टूबर 2016 से वर्तमान तिथि तक निदेशक/प्राचार्य के पद पर संविदात्मक रूप से कार्यरत है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत सरकार का राजपत्र (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद) के अधिसूचना में प्राचार्य/निदेशक की सीध ी भर्ती के लिये अर्हताएं निम्नवत् निध रित है। जांच सगिति की जांच आख्या एंव शिकायतकर्ता के लिखित बयानों के आधार पर यशपाल सिंह नेगी, प्राचार्य/निदेशक (संविदा) द्वारा गलत तथ्यों के आधार पर निदेशक/प्राचार्य स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनजमेंट, नई टिहरी के पद पर संविदा पर नियुक्त पाये जाने का दोषी पाये गये हैं।

ण्अत: उक्त धोखाधड़ी के लिये यशपाल सिंह नेगी, पुत्र स्व. कैप्टन डीएस नेगी. बजारांवाला, टीएचडीसी कालोनी, देहरादून के विरूद्ध प्राचार्य/निदेशक (संविदा) द्वारा गलत तथ्यों के आधार पर निदेशक/प्राचार्य स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनजमेंट, नई टिहरी के विरूद्ध संगत धाराओं में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज करने का कष्ट करें। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

नई सरकार गठन पर पूरी दुनिया की नजर

डॉ. दिलीप चौबे

भारत में अगले महीने की शुरुआत में सरकार गठन का काम संपन्न होगा जिस पर पूरी दुनिया की नजर है। भारत का भरोसेमंद दोस्त रूस चाहेगा कि नई सरकार की नीतियों में निरंतरता कायम रहे। वहीं दूसरी ओर अमेरिका और पश्चिमी देश इस बात पर नजर रखेंगे कि अगला विदेश मंत्री और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार कौन बने। कहना न होगा कि एस. जयशंकर को लेकर पश्चिमी देश असहज हैं। लेकिन फिर भी उनका मानना है कि जयशंकर के साथ काम किया जा सकता है, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजित डोभाल उन देशों की आंखों में किरकिरी बने हुए हैं। कुछ विश्लेषकों का मानना है कि खालिस्तानी आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू को लेकर अमेरिका ने जो जाल बुना है उसका निशाना डोभाल ही हैं। नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनते हैं तो उनके सामने यह सवाल होगा कि नया राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार किसको बनाएं।

डोभाल की आयु करीब 80 साल है जो एनएसए के बड़े दायित्व को निभाने में बाधा बन सकती है। हालांकि उनके अनुभव और कार्यदक्षता को देखते हुए उनकी भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हो सकता है कि मोदी डोभाल को किसी अन्य दायित्व के साथ सलाहकार बनाए रखें तथा एनएसए के रूप में किसी अपेक्षाकृत कम आयु के व्यक्ति को नियुक्त करें। इस नई व्यवस्था में भी इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सरकार की नीतियों की धार बनी रहे। विदेश मंत्री के रूप में जयशंकर की नियुक्ति प्राय: निश्चित है।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के कार्यकाल में अमेरिका ने विदेश मंत्री नटवर सिंह को पद से हटाने के लिए दबाव डाला था। तत्कालीन सरकार ने कथित घोटाले के नाम पर नटवर सिंह को उनके पद से हटा दिया था। इस पूरे घटनाक्रम का उल्लेख स्वयं नटवर सिंह ने अपनी पुस्तक में किया है। दशकों पूर्व जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में पश्चिमी देशों ने कृष्ण मेनन को भी ऐसे ही निशाना बनाया था। लेकिन मोदी सरकार किसी दबाव में झुकेगी इसकी संभावना नहीं है।

इस बीच जयशंकर ने एक राजनीतिक नेता जैसे तेवर अपना लिये हैं। अपने ताजा साक्षात्कार में उन्होंने 'इंटरनेशनल खान मार्केट गैंग' का उल्लेख किया। यह गैंग भारत में ऐसे ही तत्वों के साथ मिलकर सरकार की नीतियों को प्रभावित करने की कोशिश करता है। जयशंकर के अनुसार इस गैंग में पश्चिमी देशों की मीडिया, बुद्धिजीवी वर्ग, थिंक टैंक और मझोले दज्रे के सरकारी अधिकारी शामिल हैं। यह पहले अवसर है कि जब जयशंकर ने मोदी विरोधी तबके में सरकारी अधिकारियों के शामिल होने की बात कही है।

अमेरिका और पश्चिमी देशों के प्रशासन ने जयशंकर के इस कथन पर मिश्रित प्रतिक्रिया होगी। प्रकारांतर से जयशंकर ने इन देशों को आगाह किया है कि भारत की राजनीति में दखलंदाजी करने से बाज आएं। अमेरिका इस चेतावनी के मद्देनजर अपनी नीति में बदलाव करता है अथवा मौजूदा नीति पर ही अमल जारी रखता है, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। इस बीच चेक गणराज्य में गिरफ्तार निखिल गुप्ता की अमेरिका प्रत्यर्पण की कार्रवाई अंतिम चरण में है। गुप्ता के अमेरिका पहुंचने के बाद वहां अदालती कार्रवाई तेज हो जाएगी।

अमेरिका पन्नू की कथित हत्या के प्रयास के सिलसिले में प्रथम साजिशकर्ता के प्रत्यर्पण की मांग भी कर सकता है। अमेरिका के अनुसार प्रथम साजिशकर्ता कथित रूप से भारत की विदेश खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) का अधिकारी था। नई सरकार अमेरिकी की इस मांग को निश्चित रूप से ठुकरा देगी। भारत औरैअमेरिका के द्विपक्षीय संबंध बहुत हद तक इस बात पर निर्भर करेंगे कि इस पेचीदा मामले से कैसे निपटा जाए। इस बीच चाबहार बंदरगाह और अफगानिस्तान फिर चर्चा में आ गए हैं।

अफगानिस्तान के हुक्मरानों ने भारत चाबहार समझौते का स्वागत किया है। नए घटनाक्रम में रूस ने चेतावनी दी है कि अमेरिका इस्लामिक स्टेट जैसे आतंकवादी संगठनों को अफगानिस्तान और मध्य एशिया के देशों में फिर सक्रिय कर सकते हैं। ये आतंकी गुट रूस और ईरान को निशाना बना सकते हैं और चाबहार बंदरगाह और अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण गलियारे को निशाना बना सकते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

हद से ज्यादा आम खाना सेहत के लिए हो सकता है नुकसानदायक

गर्मियों का मौसम आते ही स्वादिष्ट और रसीले फल मैंगो लवर्स की एक्साइटमेंट देखने लायक होती है। फलों का राजा आम अपनी खास तरह के टेस्ट को लेकर पूरी दुनिया में मशहूर है। यह एक ऐसा फल है जो पूरी दुनिया भर के लोगों के दिलों पर राज करता है। आम के शौकीन जितना भी आम खा लें उनका मन भरता ही नहीं है।

आम खाने से कई सारे स्वास्थ्य से भरपूर लाभ मिलते हैं

हालांकि आम खाने से कई सारे स्वास्थ्य से जुड़े फायदे मिलते हैं। लेकिन इसे हद से ज्यादा खाने से कई सारे नुकसान भी है। इसका सेहत पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है। आम न केवल सिर्फ खाने में स्वादिष्ट होता है। बल्कि यह विटामिन, खनिज और फाइबर से भरपूर होता है। इसमें भरपूर मात्रा में विटामिन सी, विटामिन ए, विटामिन ई, पोटेशियम और फाइबर भरपूर मात्रा में होता है। आम में 100 ग्राम कैलोरी होती है। जो 60-70 कैलोरी प्रदान करती है।

आम खाने के कई सारे फायदे मिलते हैं

पाचन संबंधी समस्याएं

रिपोर्ट के मुताबिक ज्यादा आम खाने से पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं।इसमें फाइबर की मात्रा काफी ज्यादा होती है। ज्यादा फाइबर खाने से पेट फूलना, गैस, पेट में ऐंठन और यहां तक कि दस्त भी हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि आमों को एक लीमिट में खाना चाहिए। क्योंकि यह पाचन संबंधी समस्याएं शुरू कर सकती है।

वजन् बढना़

आम में कैलोरी कम होती है। इसके बावजूद अगर इसे ज्यादा खाया गया तो वजन बढ़ सकता है। मीठा और स्वादिष्ट आम अगर आप ज्यादा खाएंगे तो यह शरीर में काफी ज्यादा कैलोरी बढ़ा देगी। इससे आपका वजन भी बढ़ सकता है।

एलर्जी संबंधी समस्याएं

ज्यादा आम खाने से एलर्जी की समस्याएं हो सकती है। जिसमें खुजली, सूजन, पित्ती या गंभीर मामलों में एनाफिलेक्सिस लक्षण दिखाई दे सकते हैं। अगर आम खाने के बाद शरीर पर ऐसे कुछ लक्षण दिखाई दे तो एकदम से आम खाना छोड़ दे।

ब्लड शुगर स्पाइक्स

आम में ग्लाइसेमिक इंडेक्स काफी अधिक होता है। इसका साफ अर्थ है कि अगर आप इसे ज्यादा खाएंगे तो ब्लड में शुगर लेवल बढ़ जाएगा। यह डायबिटीज और इंसुलिन लेने वाले लोगों के लिए समस्या खड़ी कर सकता है। डायबिटीज के मरीज आम खाने के बाद एक्सरसाइज जरूर करें क्योंकि यह ग्लाइकोजन रिजर्व को भरने और इंसुलिन स्पाइक्स के प्रभाव को कम करने में मदद करेगा।

विटामिन ए टॉक्सिसटी

आम विटामिन ए का एक बेहतरीन सोर्स है, लेकिन इसे ज्यादा खाने से इसमें पाई जाने वाली पोषक तत्व काफी ज्यादा मात्रा में होते हैं।इससे हाइपरविटामिनोसिस ए निकलता है। विटामिन ए ज्यादा खाने से भी इसके साइड इफेक्ट्स दिखाई देते हैं। जैसे-चक्कर आना, मतली, ठीक से दिखाई नहीं देना।बालों का झडना़। यदि आप स्टैटिन या एंटीहिस्टामाइन जैसी दवाएं ले रहे हैं, तो यह निर्धारित करने के लिए अपने डॉक्टर से परामर्श करें कि क्या आप आम खा सकते हैं कि क्योंकि अगर आप बिना डॉक्टर के परामर्श पर आम खाएंगे तो लिवर से जुड़ी बीमारी हो सकती है। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -99

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :

1. पानी, नीर, अंबु 2. आना-जाना, आवागमन 5. बहुत, बढ़िया 6. दूर रहने वाला (घटना) जो वर्तमान में न घट सके 8. अबोध, नासमझ, अनाड़ी 10. सब्जी, शाक 11. निशान, उद्देश्य, अनुमान योग्य वस्तु 12. नाखून 13. द्रव पदार्थ 15. सूनसान, जनविहीन स्थान 16. चटकीला, चमकीला, चटपटा, गौरैया 18. भगवान, खुदा 19. इन दिनों, वर्तमान दिनों में 20. अग्नि, पावक 21. अन्नकण, अनाज का टुकड़ा 22. टालमटोल, बहाने बाजी 24. भैया की पत्नी 25. पांच से छोटी एक विषम संस्था 26. हत्या, कत्ल.

ऊपर से नीचे

1. दुनिया, संसार, ठोस रूप में परिवर्तित करना 2. चमक, पानी 3. बाजीगर, जादू का खेल दिखाने वाला 4. एक पंजाबी प्रेमगीत, रांझा की प्रेमिका 5. मार-काट, खून-कत्ल 7. भूमि, जमीन, भू-भाग 9. बहुत बड़ा दानी, 10. संगीत के सुरों की संख्या 14. लचीला, लोचयुक्त 17. खिसकना, अपने स्थान से हटना, विचलित होना 19. प्रवेश करना, पधारना, आना 20. धूप-दीप से पूजा 22. इसी समय 23. गुस्सा, कहर.

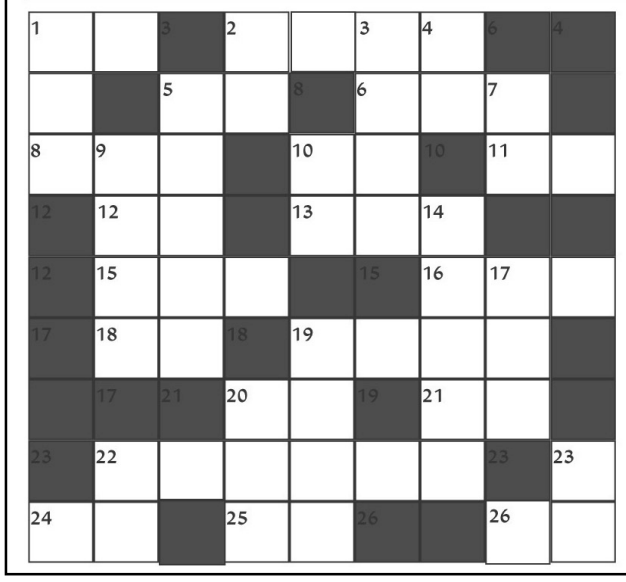

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 98 का हल

स्वा	द		सा	म	ना		कै	दी
व		ख	ल	ना	य	क		वा
लं	प	ट		ना	क	क	ट	ना
बी		प				ड़ी		प
	अ	ट	प	टा			शा	न
स	ह		यो			र	ति	
ह	म		द	र	ब	द	र	
म	क	र		सी	ल			
त		क्षा		द	वा	खा	ना	

अजय देवगन की फिल्म मैदान ने अमेजन प्राइम वीडियो पर दी दस्तक

ईद के मौके पर अजय देवगन फिल्म मैदान लेकर आए थे। इस फिल्म का क्लैश अक्षय कुमार की बड़े मियां छोटे मियां से हुआ था। दोनों ही फिल्मों को ना ईद का फायदा मिला और ना ही ऑडियन्स को पसंद आई। बड़े बजट की ये फिल्म अपनी लागत का आधा भी नहीं कमा पाई है। रिलीज के एक महीने बाद अब मैदान ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हो गई है। मगर मैदान के ओटीटी रिलीज के साथ एक ट्विस्ट भी है।

मैदान को अमित शर्मा ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में उनके साथ प्रियामणि लीड रोल में नजर आईं हैं। 25० करोड़ के बजट में बनीं मैदान बॉक्स ऑफिस पर सिर्फ 7० करोड़ का कलेक्शन ही कर पाई है। अब देखना होगा ओटीटी पर भी ये लोगों को पसंद आती है या नहीं।

अजय देवगन और प्रियामणि की मैदान प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है। फिल्म हिंदी और इंग्लिश दोनों ही सबटाइटल्स के साथ रिलीज हुई है। हालांकि इसकी रिलीज के साथ एक ट्विस्ट भी है। अभी आपको ये फिल्म देखने के लिए 349 रुपए का रेंट देना पड़ेगा। जी हां अभी मैदान प्राइम वीडियो रेंटल बेसिक में आई है। अगर आपको फ्री में प्राइम पर ये फिल्म देखनी है तो दो और हफ्तों का इंतजार करना पड़ेगा। दो हफ्ते बाद ये फिल्म फ्री हो जाएगी।

मैदान की बात करें तो ये एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म है।ये इंडियन फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम की बायोपिक है। फिल्म में अजय ने कोच का ही किरदार निभाया है। क्रिटिक्स को ये फिल्म काफी पसंद आई है। उन्होंने इसकी तारीफ भी की है लेकिन ऑडियन्स को ये फिल्म इंप्रेस नहीं कर पाई है।

अजय देवगन की मैदान को अक्षय कुमार की बड़े मियां छोटे मियां के क्लैश से बहुत नुकसान हुआ है। क्लैश की वजह से ऑडियन्स बंट जाती है जिसका सीधा असर कलेक्शन पर पड़ता है। ऐसा सिर्फ मैदान नहीं बल्कि बड़े मियां छोटे मियां के साथ भी हुआ है।

विक्रांत मैसी और मौनी रॉय स्टारर ब्लैकआउट का पोस्टर हुआ रिलीज

अभिनेता विक्रांत मैसी एक और फिल्म लेकर दर्शकों के बीच आ रहे हैं। लंबे समय से प्रशंसक उनकी नई फिल्म का इंतजार कर रहे थे। 16 मई को आगामी थ्रिलर ड्रामा फिल्म 'ब्लैकआउट' के निर्माताओं ने फिल्म के पहले पोस्टर के साथ रिलीज की तारीख का खुलासा कर दिया। आगामी फिल्म में विक्रांत मैसी और मौनी रॉय मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

निर्माताओं ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्टर साझा किया, जिसमें

फिल्म के कलाकार विक्रांत मैसी, मौनी रॉय, सुनील ग्रोवर और अन्य दिख रहे हैं। निर्माताओं ने पहले पोस्टर के साथ-साथ इसके रिलीज डेट की भी घोषणा कर दी।

निर्माताओं द्वारा साझा किए गए पोस्टर में विक्रांत और मौनी काफी हैरान दिखाई दे रहे हैं। वहीं, सुनील ग्रोवर ने हाथ में फावड़ा है और वह मुस्कुरा रहे हैं। दूसरी ओर सौरभ और करण लाल रंग की कार के अंदर बैठे बहुत ही ज्यादा हैरान दिख रहे हैं। विक्रांत के चारो ओर सोना बिखरा पड़ा है। पोस्टर साझा करते हुए प्रोडक्शन ने कैप्शन दिया, 'इस कहानी के सभी पात्रों की लाइफ की लग चुकी है। विस्तार से जानने के लिए इंतजार करें और देखें। स्ट्रीमिंग 7 जून को जियो सिनेमा पर होगी।'

विक्रांत मैसी के आगामी परियोजनाओं की बात करें तो वह 'द साबरमती रिपोर्ट' पर काम कर रहे हैं। इस फिल्म में उनके साथ राशि खन्ना भी हैं। वहीं, मौनी राय की बात की जाए तो अभिनेत्री को हाल ही में इमरान हाशमी के साथ वेब सीरीज 'शोटाइम' में देखा गया था। जबकि, सुनील ग्रोवर हाल ही में शाहरुख खान स्टारर जवान में नजर आए थे।

देसी अवतार में मोनालिसा ने बिखेरा जलवा

भोजपुरी इंडस्ट्री की खूबसूरत हसीना मोनालिसा आए दिन अपने लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर चर्चाएं बटौरती रहती हैं। उनका हर एक लुक इंस्टाग्राम पर आते ही तेजी से वायरल होने लगता है। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें शेयर कर फैंस का सारा ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

भोजपुरी फिल्मों की देसी क्वीन मोनालिसा सोशल मीडिया पर हमेशा ही अपने ग्लैमरस लुक्स के कारण छाई रहती हैं। आए दिन वह अपनी खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर कर फैंस को दीवाना बना देती हैं। हाल ही में, मोनालिसा ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें वह देसी लुक में नजर आ रही हैं। इन तस्वीरों में मोनालिसा ने नीले रंग की साड़ी पहनी हुई है और माथे पर बिंदी लगा रखी है। उन्होंने गले में गोल्डन नेकलेस और कानों में गोल्डन झुमके पहने हुए हैं।

मोनालिसा का यह देसी लुक उनके फैंस को खूब पसंद आ रहा है। तस्वीरों पर लाइक्स और कमेंट्स की बाढ़ आ गई है। एक फैन ने लिखा, आप तो और भी खूबसूरत लग रही हैं मोनालिसा जी। दूसरे फैन ने लिखा, आप देसी लुक में कमाल लग रही हैं। मोनालिसा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी तस्वीरें और वीडियो शेयर करती रहती हैं। उनके इंस्टाग्राम पर 5 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं।(आरएनएस)

पुष्पा 2 : इस बार सामी के साथ श्रीवल्ली करेंगी धमाल

अल्लू अर्जुन की फिल्म पुष्पा के दूसरे पार्ट का दर्शकों के बीच गजब का उत्साह है। फिल्म से जुड़ी छोटी से छोटी अपडेट पर फैंस की नजर रहती है। इस फिल्म का पहला गाना पुष्पा पुष्पा रिलीज हो चुका है। गाने ने खूब धमाल मचाया और अल्लू अर्जुन के डांस स्टेप भी खूब वायरल हुए। लोगों ने सोशल मीडिया पर जमकर रील्स बनाईं। मेकर्स अब दर्शकों को दूसरे गाने का तोहफा देने जा रहे हैं।

पुष्पा 2 के दूसरे गाने का टीजर पोस्टर जारी किया गया है। इसकी एनाउंसमेंट वीडियो कल जारी की जाएगी। मेकर्स ने पोस्ट साझा कर समय भी बताया है। पहले गाने में जहां अल्लू अर्जुन का धमाल देखने को मिला। इस बार दूसरे गाने में श्रीवल्ली यानि रश्मिका मंदाना और सामी यानि अल्लू अर्जुन दोनों गजब ढाएंगे।

पुष्पा 2 द रूल के मेकर्स मैत्री मूवी मेकर्स ने पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाने को लेकर जानकारी साझा की हैं। फिल्म के मेकर्स ने आज 22 मई को एक टीजर पोस्टर जारी किया है, जो काफी दिलचस्प है। इस पोस्टर के साथ बताया है कि फिल्म का दूसरा गाना कब रिलीज होगा। पुष्पा 2 द रूल के दूसरे गाना का एलान आज 23 मई को सुबह 11 बजे होगा।

सामने आए टीजर पोस्टर में रश्मिका मंदाना का हाथ डांस की मुद्रा में दिख रहा है। इस गाने को को भी देवी श्री प्रसाद ने कंपोज किया है। बता दें कि फिल्म पुष्पा 2 15 अगस्त 2०24 को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर रिलीज होगी। इस फिल्म का निर्देशन सुकुमार ने किया है। फिल्म में एक बार फिर एक्शन और फुल ड्रामा देखने को मिलेगा। (आरएनएस)

द ब्लैक स्वॉर्ड बने मांचू मनोज का दिखा खतरनाक रूप

अभिनेता मांचू मनोज जल्द हीं फिल्म मिराय में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म से वह लगभग आठ साल बाद तेलुगु फिल्मों में वापसी कर रहे हैं। इससे पहले उन्हें आखिरी बार साल 2०17 में रिलीज हुई फिल्म ओक्काडु मिगिलाडु में देखा गया था। इस फिल्म के बाद वह अज्ञात कारणों से फिल्मी चकाचौंध से दूर हो गए थे। अब वह एक बार फिर से पर्दे पर अपना जादू बिखेरने को तैयार हैं।

फिल्म मिराय से मनोज फिल्मी पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म में उनका किरदार काफी खतरनाक होने वाला है। फिल्म के निर्माताओं ने उनके जन्मदिन पर अभिनेता की पहली झलक भी दिखाई है। निर्माताओं ने एक टीजर वीडियो जारी किया, जिसमें वह द ब्लैक स्वॉर्ड के किरदार में नजर आ रहे हैं। यह एक संगठन है, जो काफी खूंखार और खतरनाक है। लंबे और बंधे बालों के साथ एक योद्धा के अवतार में मनोज काफी जंच रहे हैं।

अपने किरदार से फैंस को रुबरु कराते हुए अभिनेता ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा किया। इसमें उन्होंने लिखा,मैं इस पल का काफी लंबे समय से इंतजार कर रहा था ताकि मैं आप सबके सामने अपना नया अवतार पेश कर सकूं, जिसे आप मिराय के द ब्लैक स्वॉर्ड के नाम से भी जानते हैं। मिराय की टीम को बहुत खास बताते हुए अभिनेता ने इस फिल्म में काम करने को अपना सौभाग्य बताया है।

बताते चलें कि फिल्म हनुमान में नजर आए पैन इंडिया स्टार तेजा सज्जा भी इसमें नजर आने वाले हैं। वह अपनी पिछली ब्लॉकबस्टर फिल्म के बाद फिर से दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। फिल्म में तेजा सज्जा एक सुपर योद्धा के रूप में नजर आएंगे। वहीं, अभिनेता मांचू मनोज खलनायक की भूमिका निभा रहे हैं। बीते दिनों ही निर्माताओं ने फिल्म का पोस्टर भी जारी किया था। इस बहुभाषी फिल्म में तेजा सज्जा के साथ मुख्य भूमिका में रितिका नायक भी नजर आने वाली हैं। फिल्म भारी भरकम बजट के साथ बनाई जा रही है। इसे हिंदी समेत आठ भाषाओं में रिलीज किया जाएगा, जिसमें तमिल, तेलुगु, कन्नण, मलयालम, बंगाली, मराठी और चाइनीज भाषा भी शामिल है। फिल्म 18 अप्रैल 2०25 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है।

भारत के युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की दर आखिर क्यों?

रंजना मिश्रा

भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर है, किंतु एक चिंताजनक पहलू जो इस विकास यात्रा में बाधा बनकर उभर रहा है, वह है युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की दर। यह ज्वलंत मुद्दा न केवल सामाजिक चिंता का विषय बन गया है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा कर रहा है। दरअसल भारत अब दुनिया में सबसे अधिक आत्महत्या दर वाला देश बन गया है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा जारी हालिया रिपोर्ट के आंकड़े भारत में आत्महत्या की गंभीर स्थिति को उजागर करते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 2022 में भारत में 1.71 लाख लोगों ने आत्महत्या की, जो दुनिया के अन्य देशों में सबसे अधिक है। यह प्रति एक लाख जनसंख्या पर 12.4 प्रतिशत की आत्महत्या दर के बराबर है, जो अब तक का सबसे अधिक आंकड़ा है। यह आंकड़ा चिंताजनक है, खासकर जब हम यह भी जानते हैं कि भारत में आत्महत्या के मामलों की वास्तविक संख्या अंदाजों से कहीं अधिक हो सकती है। अपर्याप्त पंजीकरण प्रणाली, मृत्यु के चिकित्सा प्रमाणन की कमी और आत्महत्या से जुड़े सामाजिक कलंक के कारण कई मामलों का पता तक नहीं चल पाता है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि 41 प्रतिशत आत्महत्याएं 30 वर्ष से कम आयु के युवाओं द्वारा की जाती हैं। भारत में युवा महिलाओं के लिए मृत्यु का प्रमुख कारण भी आत्महत्या ही बन गया है।

युवाओं में आत्महत्या के पीछे अनेक जटिल कारण सम्मिलित हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं, शैक्षणिक दबाव, सामाजिक आर्थिक समस्याएं, प्रेम संबंधों में असफलता, व्यसन और घरेलू हिंसा आदि इसके कुछ प्रमुख कारण हैं। भारत में युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का बोझ काफी ज्यादा है, लेकिन उनमें से ज्यादातर इसका उपचार नहीं कराते। परीक्षाओं में सफलता का अत्यधिक दबाव, अभिभावकों और शिक्षकों की अपेक्षाएं और असफलता का डर युवाओं को आत्महत्या की ओर धकेल सकता है। गरीबी, बेरोजगारी, सामाजिक बहिष्कार, भेदभाव और परिवार में तनाव भी आत्महत्या के लिए जोखिम कारक बन सकते हैं।

दुर्भाग्यपूर्ण प्रेम संबंध, ब्रेकअप और अकेलापन भी युवाओं को आत्महत्या के लिए प्रेरित कर सकते हैं। इसी प्रकार शराब और मादक द्रव्यों का सेवन भी आत्महत्या के जोखिम कारकों में शामिल है। युवाओं के बीच इंटरनेट के उपयोग में होने वाली उल्लेखनीय वृद्धि भी आत्महत्या में प्रमुख भूमिका अदा करती है। इसके कुछ अन्य कारकों में साइबर बुलिंग, लैंगिक उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, और सामाजिक मूल्यों में गिरावट भी शामिल हो सकते हैं। मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं आत्महत्या का एक बड़ा कारण हैं। भारत में लगभग 54 प्रतिशत आत्महत्याएं मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के कारण होती हैं। नकारात्मक एवं दर्दनाक पारिवारिक मुद्दे भी आत्महत्या के एक बड़े कारण के रूप में देखे गए हैं और भारत में इनके कारण होने वाली आत्महत्याओं के मामले लगभग 36 प्रतिशत हैं। पढ़ाई के दबाव से यानी शैक्षणिक तनाव से होने वाली आत्महत्याओं के मामले लगभग 23 प्रतिशत पाए गए हैं। इसी प्रकार भारत में होने वाली आत्महत्याओं में सामाजिक एवं जीवनशैली कारकों का लगभग 20 प्रतिशत और हिंसा का 22 प्रतिशत योगदान रहता है। इसके अलावा आर्थिक संकट के कारण 9.1 प्रतिशत और संबंधों की वजह से लगभग 9 प्रतिशत आत्महत्याएं भारत में देखी गई हैं। इसी प्रकार युवा लड़कियों और महिलाओं में कम उम्र में विवाह, कम उम्र में मां बनना, निम्न सामाजिक स्थिति, घरेलू हिंसा, आर्थिक निर्भरता और लैंगिक भेदभाव भी आत्महत्या के महत्वपूर्ण कारक हैं। आत्महत्या के आंकड़ों के अनुसार भारत में वर्ष 2022 में परीक्षा में असफलता के कारण 2095 लोगों ने आत्महत्या की थी। सोशल मीडिया या मीडिया के माध्यम से आत्महत्या से संबंधित प्रसारित होने वाले समाचारों का भी समाज पर गहरा प्रभाव पड़ता है और यह भी आत्महत्या का एक जोखिम कारक बनता है। आत्महत्या के किसी विशेष कारक की पहचान करना और उसका समाधान ढूंढ़ना बहुत मुश्किल होता है। फिर भी यह जरूरी है कि हम इन कारणों को समझें और उन्हें दूर करने के लिए मिलकर काम करें।

इस भीषण समस्या का समाधान ढूंढ़ने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाने की आवश्यकता है, जिसमें मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता, मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच में सुधार, शैक्षणिक प्रणाली में सुधार, सामाजिक-आर्थिक सहायता, प्रेम संबंधों में परामर्श, व्यसन से मुक्ति, हेल्पलाइन और सहायता समूह, मीडिया की जिम्मेदारी और सामुदायिक जागरूकता शामिल हैं। इसके लिए सरकारों, गैर-सरकारी संगठनों और समुदायों को मिलकर महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए, ताकि इस सामाजिक कलंक को कम किया जा सके और युवाओं को जीवन में आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए सशक्त बनाया जा सके। युवाओं में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें समस्याओं का सामना करने के लिए स्वस्थ तरीके सिखाना बहुत आवश्यक है।

दरअसल आत्मघाती व्यवहार में संलग्न युवाओं को यह जानकारी देनी आवश्यक है कि वे जिन समस्याओं का सामना कर रहे हैं, उनका वैकल्पिक और उचित समाधान मौजूद है। अगर इस प्रकार समस्याओं से परेशान युवाओं से लगातार बातचीत की जाए और उन्हें अच्छी प्रकार समझाया जाए, तो आत्महत्या जैसे बड़े संकट से उन्हें बचाया जा सकता है।

युवाओं को इस प्रकार समझाना होगा कि वे समस्या का सामना करते समयए किसी भी प्रकार की मदद मांगने में संकोच न करें। इसके लिए उनके व्यवहार में सुधार करने की आवश्यकता होगी। युवाओं को आत्महत्या जैसी प्रवृत्ति से बचने के लिए अपने क्रोध के आवेग को रोकना होगा और अपनी भावनाओं पर नियंत्रण रखना सीखना होगा। युवाओं को आत्महत्या से बचाने के लिएए उनकी मानसिक परेशानियों की शीघ्र पहचान करनी चाहिए और अनुकूल वातावरण में उनकी देखभाल के समुचित प्रावधान होने चाहिए। आत्महत्या की प्रवृत्ति रोकने और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिएए मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सभी के लिए सुलभ बनाना और उन्हें सस्ती दर पर उपलब्ध कराना भी आवश्यक है। शिक्षा प्रणाली में परिवर्तन लाकर परीक्षाओं में सफलता के दबाव को कम करना होगा और विद्यार्थियों में आत्मविश्वास बढ़ाने पर ध्यान देना होगा। साथ ही गरीब और जरूरतमंद युवाओं को आर्थिक सहायता प्रदान करना और उन्हें रोजगार के अवसर प्रदान करना भी जरूरी है।

युवाओं को प्रेम संबंधों में आने वाली समस्याओं से निपटने के लिए परामर्श और सहायता प्रदान करना चाहिए। नशे से ग्रस्त युवाओं के लिए नशा मुक्ति केंद्रों की स्थापना करनी चाहिए और उन्हें उपचार प्रदान करना चाहिए। आत्महत्या की प्रवृत्ति से ग्रस्त युवाओं और उनके परिवारों के लिए आसानी से उपलब्ध हेल्पलाइन और सहायता समूहों की स्थापना करनी चाहिए। मीडिया को आत्महत्या से संबंधित खबरों को संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ प्रस्तुत करना चाहिए और आत्महत्या को ग्लैमर नहीं देना चाहिए। समाज के सभी वर्गों को आत्महत्या के खतरों के बारे में जागरूक करना चाहिए और उन्हें इस समस्या का समाधान करने के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। यदि कोई भी युवा आत्महत्या के विचारों से जूझ रहा हैए तो उसे किसी विश्वसनीय व्यक्ति से बात करनी चाहिए जैसे कि परिवार के सदस्य सेए दोस्त से या चिकित्सक से। युवाओं को आवश्यकता होने पर आत्महत्या रोकथाम हेल्पलाइन का भी उपयोग करना चाहिए। मानसिक रूप से परेशान युवाओं को मदद मांगने में किसी भी प्रकार का संकोच नहीं करना चाहिए। उन्हें अपने आपको यह भरोसा देना चाहिए कि वे अकेले नहीं हैं, बल्कि कई लोग हैं जो उनकी परवाह करते हैं और उनकी मदद करना चाहते हैं।

आत्महत्या जैसी घातक प्रवृत्ति से बचने के लिएए स्वस्थ जीवनशैली अपनाना बहुत जरूरी है। स्वस्थ जीवन शैली के अंतर्गतए पर्याप्त नींद लेंए स्वस्थ भोजन करेंए नियमित व्यायाम करें और तनाव को कम करने के लिए स्वस्थ मनोरंजन करें। इसके अलावा सदैव सकारात्मक सोचेंरू नकारात्मक विचारों को दूर भगाएं और सकारात्मक सोच को ही बढ़ावा दें। उन्हें ऐसे लोगों से मित्रता या निकटता रखनी चाहिएए जो उन्हें सही सलाह दें और उनके मानसिक बल को बढ़ाएं। साथ ही उन्हें ऐसे लोगों से दूरी बनाकर रखनी चाहिएए जो उन्हें आत्महत्या जैसी गलत प्रवृत्ति की ओर प्रेरित करें। आत्महत्या जैसी घातक प्रवृत्ति को रोकने में योगा भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। योगा का अभ्यास करके युवा अपने मानसिक स्वास्थ्य में सुधार कर सकते हैं। इन सभी उपायों को अपनाने सेए मानसिक तनाव को दूर करने और आत्मघाती प्रवृत्तियों से बचाव करने में मदद मिल सकती है। मानसिक समस्याओं से जूझ रहे युवाओं के पारिवारिक माहौल को सुधारने का भी भरपूर प्रयास किया जाना चाहिए। पढ़ाई के दबाव में होने वाली आत्महत्याओं को रोकने के लिएए शैक्षणिक सुधार की बेहद आवश्यकता है। दरअसल विद्यार्थियों के अधिकतम अंकों को देखकर उनकी योग्यता का अनुमान नहीं लगाया जा सकताए क्योंकि हर बच्चे या युवा के भीतर अलग.अलग क्षमताएं तथा अलग.अलग कौशल होते हैं। इसलिए युवाओं की क्षमताओं का पता लगाने की एक वैकल्पिक विधि विकसित की जानी चाहिएए ताकि उनकी रुचिए उनके कौशल और उनकी क्षमताओं को पहचानकर उन्हें उनके अनुरूप कार्यों की जिम्मेदारी दी जा सके। इससे विद्यार्थियों द्वारा की जाने वाली आत्महत्या की घटनाओं में तो कमी आएगी हीए साथ ही हमारे देश और समाज की स्थिति में भी सुधार होगा। इसके अलावा हमारे देश में ऐसे सामाजिक परिवर्तन की भी आवश्यकता हैए जिसमें किसी भी व्यक्ति के साथ जातिगत आधार परए धर्म के आधार पर या लैंगिक आधार पर भेदभाव न किया जाए। इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्तिए अंतर क्षेत्रीय सहयोग और सामाजिक व सामुदायिक भागीदारी की बहुत आवश्यकता हैए ताकि किसी भी व्यक्ति में मानसिक स्वास्थ्य जैसी समस्याएं उत्पन्न न हों और ना ही उनमें आत्मघाती प्रवृत्तियां विकसित हो सकें। गैर.सरकारी संगठनों ;एनजीओद्ध और सामाजिक कार्यकर्ताओं को आत्महत्या रोकथाम के लिए जागरूकता अभियान चलाने और पीड़ितों को सहायता प्रदान करने के लिए आगे आना चाहिए। आत्महत्या के कारणों और इससे निपटने के सबसे प्रभावी तरीकों के बारे में अधिक अनुसंधान करने की भी आवश्यकता है। सरकार को इस दिशा में अधिक निवेश करना चाहिए और विश्वसनीय डेटा इकट्ठा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। राजनीतिक इच्छाशक्ति के माध्यम से आत्महत्या रोकथाम को एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना चाहिए और इसके लिए पर्याप्त बजट आवंटित किया जाना चाहिए। सरकार को इस समस्या से निपटने के लिए एक मजबूत राष्ट्रीय रणनीति विकसित करनी चाहिए और इसके कार्यान्वयन पर ध्यान देना चाहिए। युवाओं का जीवन अमूल्य है और उनके पास इस दुनिया में देने के लिए बहुत कुछ है। इसलिए चाहे परिस्थितियां कितनी भी मुश्किल क्यों न होंए उन्हें उम्मीद की किरण कभी नहीं छोड़नी चाहिए और समस्याओं से हार न मानकर बेहतर भविष्य के लिए प्रयास करते रहना चाहिए। आत्महत्या कभी भी किसी समस्या का समाधान नहीं है। आज हमारे देश के युवाओं में आत्महत्या करने की प्रवृत्ति एक गंभीर समस्या बनती जा रही है। जागरूकताए रोकथाम रणनीति और सामाजिक प्रयासों द्वारा मिलकर हम इस समस्या का समाधान कर सकते हैं और युवाओं को बेहतर जीवन जीने के अवसर प्रदान कर सकते हैं। वास्तव में किसी भी देश के युवा उस देश के सामाजिक.आर्थिक विकास के रीढ़ की हड्डी होते हैं, या दूसरे शब्दों में कहें तो उस देश का राष्ट्रीय धन होते हैं। उनका इस प्रकार आत्महत्या करना देश का बहुत बड़ा नुकसान है। हमें हर हाल में इस आत्मघाती प्रवृत्ति को समूल नष्ट करना होगा और अपने देश की युवा शक्ति को बचाकर उन्हें देश के नवनिर्माण में लगाना होगा।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

सू- दोकू क्र. 99

	6	3		8		1		4
8			3		4		7	
	4			5		8		
3		8			1		4	
	1			4		9		7
		4			2		1	
1				3		4		8
	8		2		9		3	
		9		1		2		5

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.98का हल

6	7	9	2	4	5	3	1	8
2	1	8	3	7	6	9	5	4
7	6	4	5	2	8	1	3	9
3	8	1	6	9	7	2	4	5
9	2	5	4	1	3	8	6	7
8	3	7	9	6	4	5	2	1
5	4	2	8	3	1	7	9	6
1	9	6	7	5	2	4	8	3
4	5	3	1	8	9	6	7	2

हैलीकॉप्टर टिकट के नाम पर ठगी से पुलिस ने श्रद्धालु को बचाया

संवाददाता

रूद्रप्रयाग। हैलीकॉप्टर की टिकट के नाम से होने वाली ठगी से पुलिस ने श्रद्धालु को बचाया। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रचलित श्री केदारनाथ धाम यात्रा में हैलीकॉप्टर टिकटों के नाम से होने वाली ठगी से बचने हेतु रुद्रप्रयाग पुलिस के स्तर से निरन्तर जागरुकता अभियान चलाया हुआ है। फिर भी लोग किसी न किसी प्रकार से साइबर ठगों के जाल में आ ही जाते हैं और जब ठगी होती है तब जाकर उनको पता चलता है कि उनका तो काफी बड़ा नुकसान हो गया। महाराष्ट्र से आये एक श्रद्धालु अपने परिवार सहित बड़े समूह के साथ केदारनाथ धाम यात्रा पर आये थे।

केदारनाथ तो ये लोग पहुंच ही गये थे, पर सोचा कि वापसी के लिए हैलीकॉप्टर टिकट करा लें। इन्होने हैलीकॉप्टर टिकट के लिए फोन से सर्चिंग की तो एक व्यक्ति से इनका सम्पर्क हो गया। इनके द्वारा सभी लोगों को केदारनाथ से वापसी जाने के टिकट की बात की तो सभी लोगों के लिए करीब तीन लाख रुपये में टिकट होने की बात हुई। टिकट कराने वाले ने इन श्रद्धालु से सभी की डिटेल्स मांगी व इनको टिकट का सैम्पल भेजा व पेमेन्ट करने को जोर देने लगा। इन श्रद्धालु ने इस टिकट की सत्यता जानने के लिए केदारनाथ में तैनात पुलिस बल की मदद ली गयी।

इस टिकट को देखकर पुलिस कार्मिक आरक्षी राजेश ने श्रद्धालु को पेमेन्ट न करने हेतु बताया। जिस पर श्रद्धालु ने किसी भी प्रकार का भुगतान नहीं किया गया और वह अपने साथ होने वाली ठगी से बच पाये, यदि उनके द्वारा पुलिस की मदद नहीं ली जाती और ठग को पैसे दे दिये जाते तो निश्चित ही उनके साथ ठगी हो जाती।

श्रद्धालु ने चौकी केदारनाथ में नियुक्त आरक्षी राजेश कुमार की तत्परता एवं उनके द्वारा की गयी जागरुकता की सराहना करते हुए रुद्रप्रयाग पुलिस का आभार प्रकट किया गया है।

तिरुवनंतपुरम सीट से कांग्रेस उम्मीदवार शशि थरूर ने लगातार चौथी जीत हासिल की

तिरुवनंतपुरम । केरल की हॉट सीट तिरुवनंतपुरम के नतीजे आ गए हैं। तिरुवनंतपुरम सीट से कांग्रेस उम्मीदवार शशि थरूर ने लगातार चौथी जीत हासिल की। उन्होंने इस सीट से कड़े मुकाबले में मोदी सरकार में मंत्री राजीव चंद्रशेखर को हराया। शशि थरूर ने जीत के बाद कहा, ष्भाजपा को बहुत मजबूत संदेश मिला है कि केरल में सांप्रदायिक कैंपेन नहीं चलेगी। मैं पूरे भारत में कैंपेन के दौरान जमीनी स्तर पर जो देखा था, मैंने पहले ही कहा था कि एग्जिट पोल उसके अनुरूप नहीं हैं। कैंपेन के दौरान हमने जो देखा था उसी के आस-पास नतीजे आज हमें मिल रहे हैं।

सभी पांचों सीटों पर जीती भाजपा... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

मतों से जीत मिली थी जो अब घटकर 1,75,000 के करीब रह गई है टिहरी गढ़वाल की सीट 2019 में भाजपा ने 3,00586 मतों से जीत दर्ज की थी लेकिन इस बार इस सीट पर उसे एक लाख 31 हजार के करीब ही वोटो से जीत मिल सकी है। हरिद्वार की जो 2019 में 2,58,729 के मतदांतर से जीती थी उस पर अब भाजपा प्रत्याशी त्रिवेंद्र रावत 2 लाख से कुछ ही अधिक मतों से जीत सके। सबसे बड़े मत्तांतर से इस बार नैनीताल सीट पर जीत मिली लेकिन अजय भट्ट फिर भी 3,39,096 के 2019 के आंकड़े के आसपास भी नहीं पहुंच सके। वहीं पौड़ी गढ़वाल सीट 2019 में भाजपा प्रत्याशी ने 3,02,669 मतों से जीती थी जो अबकि बार काफी कम मतान्तर से जीती गयी है।

अबकी बार किसकी सरकार? शाम.. ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

25 सीटों पर जीत दर्ज की थी लेकिन इस बार कांग्रेस ने यहां उससे 11 सीटें छीनने की पक्की तैयारी कर ली है। जहां तक बिहार की बात है वहां भी इंडिया गठबंधन कोई करिश्मा नहीं कर सका है तथा भाजपा गठबंधन यहां 32 सीटों पर बढ़त बनाए हुए हैं। और जदयू 15 सीटें जीतती हुई दिख रही है।

इंडिया गठबंधन ने महाराष्ट्र की 48 सीटों में से 28 सीटों पर बढ़त बनाकर भाजपा को बड़ा झटका दिया है। हरियाणा की सभी 10 सीटें 2019 में जीतने वाली भाजपा को इस बार सिर्फ चार सीटें ही मिलती दिख रही है। वहीं पंजाब की 13 सीटों में से एक भी सीट उसके खाते में आती नहीं दिख रही है सात पर कांग्रेस व तीन पर आप बढ़त बनाए हुए हैं। समाचार लिखे जाने तक 10 से 12 राउंड की मतगणना ही हो सकी थी जिसमें एनडीए से अमित शाह 5 लाख से अधिक मतों से चुनाव जीत चुके हैं वहीं विदिशा से शिवराज भी 5 लाख की बढ़त बनाए हुए थे। वही राहुल गांधी वायनाड व रायबरेली दोनों सीटों पर अजेय बढ़त बन चुके थे तथा अखिलेश यादव और उनकी पत्नी डिंपल भी बढ़त बनाई हुई थी मगर स्मृति ईरानी पर एल के शर्मा भारी पड़ते दिख रहे थे वहीं पीएम मोदी भी 1 लाख तक की बढ़त में चल रहे थे।

जेवरात चमकाने के नाम पर जेवरात चोरी करने वाले दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। जेवरात चमकाने के नाम पर जेवरात चोरी करने वाले दो शातिरों को पुलिस ने घटना के दो घंटे बाद ही गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से चुराये गये जेवरात व घटना में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज सरोजनी देवी निवासी ग्राम धर्मपुर द्वारा थाना देवप्रयाग में तहरीर देकर बताया गया कि दो अनजान व्यक्तियों द्वारा उनके घर में आकर सोना चांदी के जेवरों को पाउडर से चमकने की बात कहकर छल से जेवरों को चमकाने के नाम पर धोखाधड़ी से जेवर चोरी कर लिये गये है।

मामले की गम्भीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गयी। आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस टीम द्वारा सीसी टीवी कैमरे खंगाले गये तो

उसमें घटना के समय दो पुरुष जो पीड़िता के घर के पास सीसीटीवी में दिखाई दिये, जिसकी पीड़िता द्वारा पहचान कर ली गयी। जिन्हे पुलिस टीम के अथक प्रयास से मात्र 2 घंटे के अंदर ही घटना में प्रयुक्त बाइक सहित गिरफ्तार कर लिया गया है। जिन्होने पूछताछ में अपना नाम चंदन शाह पुत्र स्व. सरगुज शाह व सुशील शाह पुत्र महादेव शाह निवासी ग्राम चकला मौला नगर चमेली थाना फलका पोस्ट मौला नगर जिला कटिहार बिहार बताया। बताया कि हम लोग पहाड़ क्षेत्रों मे घूम-घूम कर जेवरों को सफाई के नाम पर हेर फेर कर जेवरातों को ले लेते है। हम ज्यादा तर उन घरों में जाते हैं जहां महिला अकेले होती हैं। आरोपियों के कब्जे से चुराये गये जेवरात भी बरामद किये गये है। बहरहाल पुलिस ने आरोपियों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आर्शीवाद एन्क्लेव राजपुर निवासी अनंत कुमार ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह गुच्चूपानी में घुमने के लिए आया था। उसने अपनी एक्टिवा पार्किंग में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। वहीं कारगी चौक निवासी परीक्षित पासवान ने कैण्ट कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह गैलेक्सी स्कूल आया था तथा उसने अपनी स्कूटी स्कूल के पास ग्राउंड में खडी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कार खाई में गिरी पति पत्नी घायल

संवाददाता

देहरादून। कार के खाई में गिरने से पति पत्नी गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने मौके पर पहुंच रेस्क्यू कर दोनों को बाहर निकाल अस्पताल में भर्ती कराया।

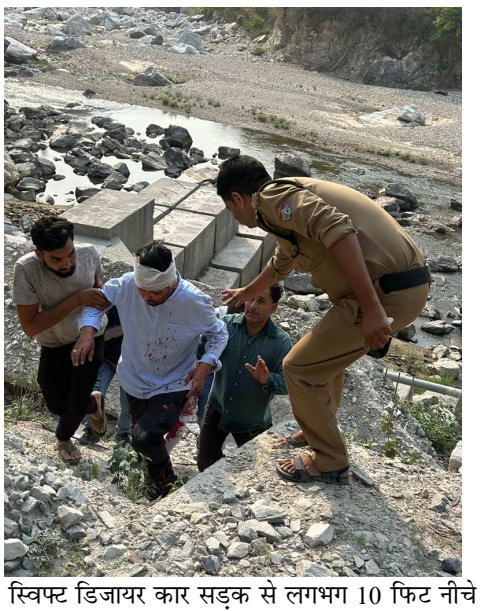

प्राप्त जानकारी के अनुसार आज समय सवा चार बजे सूचना प्राप्त हुई कि छड़ा में एक वाहन सड़क से नीचे दुर्घटनाग्रस्त हो गया है जिसमें कुछ व्यक्ति सवार है। सूचना पर तत्काल खैरना चौकी प्रभारी धर्मेंद्र कुमार, सिपाही प्रयाग जोशी पुलिस टीम मौके पर पहुँचे तो वाहन स्विफ्ट डिजायर कार सड़क से लगभग 10 फिट नीचे गिर गई, जिसमे वाहन में सवार श्रेद्यय बिष्ट पुत्र केदार सिंह बिष्ट निवासी सरमोली मुंसायरी पिथौरागढ़ एवं सोनल बिष्ट पत्नी श्रेद्यय बिष्ट निवासी उपरोक्त घायल हुए जिन्हें मौक से रेस्क्यू कर निजी गाड़ी से सीएचसी गरमपानी लाया गया जहां से चिकित्सक द्वारा घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद हायर सेंटर रेफर कर दिया। वाहन चालक खमिानन्द भट्ट पुत्र केशव दत्त भट्ट निवासी हल्दूचोड लालकुआँ नैनीताल जिन्हें कोई चोट नहीं आई।

पुलिस ने नाबालिग को बरामद कर आरोपी को भेजा जेल

संवाददाता

देहरादून। नाबालिग को भगा ले जाने वाले आरोपी को पुलिस ने शाहजहांपुर से गिरफ्तार कर उसके चगुंल से नाबालिग को बरामद कर परिजनों को सौंपा। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 13 मई 2024 को थाना सेलाकुई पर सेलाकुई निवासी व्यक्ति द्वारा अपनी नाबालिग पुत्री उम्र 17 वर्ष के घर से बिना बताए कहीं चले जाने के संबंध में प्रार्थना पत्र दिया। जिसके आधार पर थाना सेलाकुई पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्रकरण की सवेंदनशीलता एवं गंभीरता के दृष्टिगत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा नाबालिग की यथाशीघ्र बरामदगी हेतु तत्काल पुलिस टीम गठित कर आवश्यक निर्देश दिये गये। पुलिस टीम द्वारा आस-पास

के लोगों से घटना के सम्बन्ध में पूछताछ की गयी तो प्रारम्भिक जांच में युवती को एक युवक द्वारा बहला फुसलाकर शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले जाना प्रकाश में आया। जिस पर पुलिस टीम द्वारा उक्त आरोपी के विषय में जानकारी एकत्रित की गयी।

पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के परिणाम स्वरूप आरोपी नूर हसन को जनपद शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश से गिरफ्तार किया गया। आरोपी के कब्जे से पीडिता को छुडाया गया तथा पीडिता के बयानों के आधार पर उक्त मुकदमें में धारा: 376, 366 भादवि तथा 5 बी/6 पोक्सो अधिनियम की बढोतरी की गई। पीडिता को बयानों के पश्चात परिजनो के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एक नजर

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के पूर्व इंजीनियर निशांत अग्रवाल को उम्रकैद

नागपुर । नागपुर की जिला अदालत ने ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के पूर्व इंजीनियर निशांत अग्रवाल को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए जासूसी करने और गोपनीय जानकारी देने का दोषी ठहराते हुए सोमवार को उम्रकैद की सजा सुनाई। अदालत के आदेश के मुताबिक अग्रवाल को 14 साल तक सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी और उस पर तीन हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायालय के न्यायाधीश एमवी देशपांडे ने अपने आदेश में कहा कि निशांत अग्रवाल को सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा-66 (एफ) और शासकीय गोपनीयता अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत किए गए अपराध के लिए भारतीय दंड प्रक्रिया संहिता की धारा-235 के तहत दोषी करार दिया जाता है। अग्रवाल नागपुर स्थित कंपनी के मिसाइल केंद्र में तकनीकी अनुसंधान प्रभाग में कार्यरत थे। उन्हें 2018 में सैन्य खुफिया प्रभाग और उत्तर प्रदेश एवं महाराष्ट्र के आतंकवाद रोधी दस्ते (एटीएस) के संयुक्त अभियान के तहत गिरफ्तार किया गया था। ब्रह्मोस एयरोस्पेस, भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और रूस के मिलिट्री इंडस्ट्रियल कंसोर्टियम का संयुक्त उद्यम है। निशांत अग्रवाल को बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर पीठ ने पिछले साल अप्रैल में जमानत दे दी थी।

एलन मस्क ने 'एक्स' पर एडल्ट कंटेंट पोस्ट को दी अनुमति !

नई दिल्ली। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के मालिक एलन मस्क ने ऐलान किया है कि यूजर्स अब एडल्ट कंटेंट पोस्ट कर सकते है। एक्स ने अपनी ने हाल ही में अपने एडल्ट कंटेंट और वॉयलेंट कंटेंट पॉलिसी लॉन्च किया था। ये पॉलिसी में सेंसिटिव मीडिया और वॉइलेंट स्पीच पॉलिसी की जगह लेंगी। सोमवार को घोषित नीति अपडेट में यूजर को स्पष्ट एडल्ट कंटेंट पोस्ट करने और शेयर करने की अनुमति देता है, बशर्ते कि यह सहमति और कानूनी अनुपालन से संबंधित प्लेटफॉर्म के दिशानिर्देशों का पालन करे। हम मुक्त अभिव्यक्ति के महत्व और उपयोगकर्ताओं को सामग्री की एक विस्तृत श्रृंखला शेयर करने की अनुमति देने में विश्वास करते हैं, एक एक्स प्रवक्ता ने कहा। हालांकि, हम यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि सभी सामग्री हमारे सामुदायिक दिशानिर्देशों और कानूनी मानकों का सम्मान करती है। एक्स ने उपयोगकर्ताओं को आश्वासन दिया है कि पोर्नोग्राफिक सामग्री को फिल्टर और प्रबंधित करने के लिए मजबूत उपाय किए जाएंगे। इनमें उम्र वेरिफिकेशन प्रक्रियाएँ, कंटेंट वार्निंग और गैर-सहमति और अवैध सामग्री के खिलाफ नियमों का सख्त प्रवर्तन शामिल है।

अन्नू कपूर ने असदुद्दीन ओवैसी पर बिना उनका नाम लिए किया पलटवार

मुंबई। बॉलीवुड फिल्मों के मशहूर एक्टर अन्नू कपूर की फिल्म श्हमारे बारहश् 7 जून को थिएटर में रिलीज होने जा रही है। एक वर्ष पहले हुई इस फिल्म के ऐलान के पश्चात् से ही श्हमारे बारहश् से जुड़े कलाकारों को कई प्रकार की धमकियां मिल रही हैं। इतना ही नहीं एक सप्ताह पहले असदुद्दीन ओवैसी ने भी फिल्म हमारे बारह की टीम पर जमकर हमला बोलते हुए पूछा था कि पिक्चर बनाने वालों तुम कब तक मुसलमानों का थूक चाटते रहोगे? अपने एक इंटरव्यू के चलते अब अन्नू कपूर ने असदुद्दीन ओवैसी पर बिना उनका नाम लिए पलटवार किया है। अन्नू कपूर ने कहा, हमारा भारत एक लोकतांत्रिक देश है। इस देश के नागरिक होने के नाते हमें अपनी भावनाओं को, हमारे विचारों को जताने का पूरा अधिकार है। इसमें पॉलिटिशियन भी आते हैं। किन्तु वो कई मुद्दों पर बिना सच जानें अपनी प्रतिक्रिया दे देते हैं। अक्सर ये पॉलिटिशियन कुछ चीजों को लेकर जजमेंटल भी होते हैं। मैं उन्हें केवल इतना ही बोलना चाहूंगा कि आप पहले ये फिल्म देखें और यदि आप में सच कहने की हिम्मत है, तो आप वो सच्चाई लोगों को बताइए। सर, फिर आप हैदराबाद से हो, अहमदाबाद से या फिर औरंगाबाद, टेक्सास या वाशिंगटन डी सी, आप सच बोलना सीख लीजिए। पॉलिटिक्स का मतलब रेंगने वाले कीड़ें (पॉली मतलब बहुत और टिक्स मतलब कीड़ें) भी होता है। समझदार को इशारा काफी है।

करोड़ों की धोखाधड़ी करने वाले गैंग का सदस्य गुजरात से गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादूनर। शेयर मार्केट/स्टाक ट्रेडिंग की विभिन्न कम्पनियों की फर्जी वेबसाइट बनाकर निवेश के नाम पर आमजन से करोड़ो की धोखाधड़ी करने वाले गैंग के सदस्य को एसटीएफ द्वारा गुजरात से गिरफ्तार कर लिया गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ आयुष अग्रवाल ने बताया कि कुछ दिन पूर्व साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन को एक शिकायत मिली जिसमें ऋषिकेश निवासी एक व्यक्ति के साथ अज्ञात व्यक्ति द्वारा कॉल व व्हाटसएप मैसेज के माध्यम से विभिन्न तिथियों पर अलग-अलग मोबाईल नम्बरों से सम्पर्क किया गया। जिसने स्वंय को नामी गिरामी ट्रेडिंग कम्पनियों से बताकर शेयर मार्केट व स्टॉक मार्केट में पैसा लगाकर अधिक लाभ कमाने का लालच देकर विभिन्न लिंक भेजकर व शेयर ट्रेडिंग हेतु खाता खुलवाकर व विश्वास में लेकर उससे भिन्न-भिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से, दिये गये विभिन्न खातों में पैसा जमा कराकर कुल 1,39,78,000/-रूपये की धोखाधडी की गयी।

मामले में शिकायत के आधार पर साइबर क्राईम पुलिस स्टेशन देहरादून पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। जांच के दौरान साइबर क्राइम पुलिस टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद उक्त आरोपी को गुजरात से गिरफ्तार कर लिया गया। जिसके कब्जे से एक मोबाइल, अधार कार्ड, पैन कार्ड, ब्लैंक चैक सहित अन्य सामान बरामद हुआ।

मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार शेरपुर निवासी खालिद ने सहसपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह सभावाला के पास खडा था तभी वहां पर अमित, विक्की, सागर, नरेश, रोहित, कल्लू, नीरज, बन्टी व सोनी आये और उसके साथ गाली गलौच करने लगे। उसने जब उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके साथ मारपीट करनी शुरू कर दी। शोर सुनकर आसपास के लोग वहां पर पहुंचे तो सभी हमलावर उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

क्रेडिट कार्ड कर्मचारी बनकर ठगे 75 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। क्रेडिट कार्ड कर्मचारी बनकर 75 हजार रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार चीडोंवाली रायपुर निवासी दीपक सिंह ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पास एक कॉल आयी और कॉल करने वाले ने अपने आपको इंडोसेंट बैंक का कर्मचारी बताकर क्रेडिट कार्ड डिपार्टमेंट का बताकर क्रेडिट कार्ड को अपग्रेड करने के लिए क्रेडिट कार्ड की डिटेल मांगी और उसने उसको बैंक कर्मचारी समझकर सारी जानकारी दे दी। जानकारी देते हुए उसके खाते से 75 हजार रूपये निकल गये। जिसके बाद उसको पता चला कि उसके साथ ठगी हो गयी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पहाड़ों से ला रहे थे लाखों की चरस, बाइक सहित दो गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

टिहरी। पहाड़ो से चरस तस्करी कर ला रहे दो शातिरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से एक किलो चरस व तस्करी में प्रयुक्त बाइक भी बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज थाना देवप्रयाग पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ नशा तस्कर नशीले पदार्थो की बड़ी खेप सहित आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को बछेली खाल में बाइक सवार दो संदिग्ध आते हुए दिखायी दिये। पुलिस ने जब उन्हे रोकना चाहा तो वह बाइक मोड़कर भागने लगे। इस पर उन्हे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उनके पास से एक किलो चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने अपना नाम बृजेश ध्यानी पुत्र कमल किशोर ध्यानी निवासी लेन नंबर 3 बापू ग्राम वीरभद्र ऋषिकेश देहरादून व कुणाल जाटव पुत्र स्व.राकेश कुमार जाटव निवासी मकान नंबर 30 जीवनी माई मार्ग पुरानी मंडी ऋषिकेश देहरादून बताया। बताया कि यह चरस हम दोनों जनपद चमोली के हेलांग से लाये है। अक्सर हम वहां से चरस लाते हैं और इसको ऋषिकेश में सिगरेट के अंदर भर भर कर इसके शौकीन लोगों को, कॉलेज के छात्रों को और ठेकेदारों को ऊंचे दामों में बेचते हैं जिससे हमें काफी मुनाफा होता है। बहरहाल पुलिस ने उनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर उन्हे न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हे जेल भेज दिया गया है। बरामद चरस की अनुमानित कीमत लगभग 2 लाख रुपए बतायी जा रही है।

मोबाइल व नगदी लूटी

संवाददाता

देहरादून। भरे बाजार में मोबाइल व नगदी लूटने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार चावला चौक करनपुर निवासी हिमांशू महर ने डालनवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह घर के पास खडा था तभी एक युवक वहां पर आया और उसके हाथ पर झपटा मारकर उसका मोबाइल व 600 रूपये लूटकर भाग गया। उसने शोर भी मचाया लेकिन तब तक वह आंखों से ओझल हो गया था। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।